अविकानगर में वैज्ञानिक शोध कार्य हिंदी में करने पर जोर, किसानों को भी होगा फायदा

मालपुरा। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में एक सप्ताह से चल रहे हिंदी सप्ताह के समापन समारोह में संस्थान निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने वैज्ञानिकों व तमाम कर्मचारी अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने शोध कार्य हिंदी में करें, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नवीन शोध का ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारे देश की संस्कृति है जिसके माध्यम से अम अपनी भावनाओं को दैनिक रूप में प्रकट करते है।

मालपुरा | अविकानगर में हिंदी सप्ताह समापन समारोह पर संबोधित करते मुख्य अतिथि निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर व मंच पर बैठे अतिथि।

विजेता पुरस्कृत

हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को निदेशक डॉ. तोमर ने पुरस्कार प्रदान किए। प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी मीडिया डॉ. रमेश चंद शर्मा ने बताया कि संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुरेश कुमार ने हिंदी सप्ताह की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सप्ताह के दौरान आयोजित की गई प्रतियोगिताओं व इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों का ब्यारो रखा। इस अवसर पर डॉ. ए साहू, डॉ. राघवेंद्र ने भी अपने विचार व्यक्त किए । हिंदी अधिकारी जगदीश प्रसाद मीना ने धन्यवाद ज्ञापित किया व मंच का संचालन डॉ. अर्पिता महापत्र ने किया।